>

Title: Issue regarding irregularities in mid-day-meals scheme in the country.

श्री उदय सिंह (पूर्णिया): धन्यवाद महोदया, आप ने मुझे इस बहुत ही संवेदनशील मामले में कुछ कहने की अनुमति दी है।...(व्यवधान)

मैं देश में चल रहे मध्याह्न भोजन के बारे में कुछ कहना चाहता हूं और मैं जो भी कह रहा हूं वह न तो किसी केन्द्र सरकार के विरोध में है और न किसी राज्य सरकार के विरोध में है।...(व्यवधान) अगर यह किसी के विरोध में है तो वह हम संसद सदस्यों की संवेदनशून्यता के विरोध में है। ...(व्यवधान) वर्ष 1995 में यह बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना शुरू की गयी। इसके तीन मुख्य उद्देश्य थे कि स्कूल में बच्चे पढ़ने के लिए आएं; वे जो कुपोषण के शिकार हैं, कुपोषण के शिकार न रहें; और बच्चों में एक बराबरी की भावना आए।...(व्यवधान) लेकिन मुझे यह कहने में दुख है और मैं समझता हूं कि हम सभी संसद सदस्य अपने क्षेत्रों में यह देख रहे होंगे।...(व्यवधान) महोदया, आप भी बिहार से एक संसद सदस्या हैं। ...(व्यवधान) आप भी देख रही होंगी कि जिस तरह से हम लोगों ने कल्पना की थी कि यह मध्याह्न भोजन की योजना चले, वह नहीं चल रही है। ...(व्यवधान) आज यह मामला और भी ज्यादा महत्वपूर्ण इसलिए हो जाता है कि जहां एक तरफ पिछले माह बिहार के छपरा में 23 बच्चों की मृत्यु हो गयी, वहीं आज यह सदन खाद्य सुरक्षा नियम पर चर्चा कर रहा है। ...(व्यवधान) हमें देखना चाहिए कि यह मध्याह्न भोजन की योजना को शुरू हुए बीस साल हो गए। पर, आज तक हम यह भी सुनिश्चित नहीं कर पाए हैं कि हम अपने बच्चों को स्कूलों में सही भोजन दे सकें। ...(व्यवधान) खाद्य सुरक्षा की जो इतनी बड़ी योजना आ रही है, इसका हम क्या करेंगे, यह भगवान जानें। ...(व्यवधान) इसलिए मैं आप लोगों से और खासकर आपसे अपील करना चाहता हूं कि इस मध्याह्न भोजन की जो बनावट है, इसकी जो डिज़ाइन है, इसमें जो त्रुटियां हैं, संसद में इस पर एक चर्चा हो। ...(व्यवधान) हमारे स्कूलों में वैसे ही शिक्षकों का अभाव है। यह संभव नहीं है कि हमारे स्कूलों में जो शिक्षक शिक्षा नहीं प्रदान कर सकते, वे सुबह से आ कर खिचड़ी बनवाने में लग जाते हैं तो इससे शिक्षा भी पीछे रह जाती है और बच्चों के लिए जो भोजन है, वह उन्हें नहीं मिल पाता।...(व्यवधान)

मैं बिहार का उदाहरण देना चाहता हूं। हमारे यहां शिक्षकों की कमी थी और पिछले कुछ वर्षों में हम लोगों ने अशिक्षित शिक्षक रख लिए, लाखों की तादाद में रख लिए।...(व्यवधान) मैडम, आप भी बिहार की सांसद हैं। आप जानती होंगी कि जिस तरह की शिक्षा हमारे स्कूलों में प्रदान की जा रही है, उस से हम एक अशिक्षित भारत का निर्माण कर रहे हैं।...(व्यवधान) यह मध्याह्न भोजन महत्वाकांक्षी भी है, आवश्यक भी है, जरूरी भी है लेकिन जिस तरह से इसका निर्माण हुआ है और जिस तरह से इस को ज़मीन पर उतारने की कोशिश की जा रही है, यह बिल्कुल विफल है। ...(व्यवधान) मैं समझता हूं कि संसद में इस पर तुंत चर्चा होनी चाहिए और इसके लिए कोई नयी व्यवस्था सोचनी चाहिए। इस योजना में परिवर्तन करना चाहिए ताकि हम लोगों का जो उद्देश्य है, वह पूरा हो सके।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री उदय सिंह द्वारा उठाये गये विषय के साथ

श्रीमती ज्योति धुर्वे,

श्री शिवकुमार उदासी,

श्री शिवराम गौड़डा,

श्री अर्जुन राम मेघवाल,

श्री गोविन्द प्रसाद मिश्र एवं

डॉ. किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी अपने को संबद्ध करते हैं।

(व्यवधान)